

**काँचुरी** स्त्री. (देश.) दे. काँचली उदा. "काँचुरी भुअंगम तमही"-सूर।

**काँछ** पुं. (तद्.) 1. काछ 2. पेड़ और जाँघ तथा उसके नीचे का स्थान 3. धोती का कमर में कसे जाने वाला भाग जिसे कमर में खाँसा जाता है, लाँग 4. नटों का अभिनय के समय वेश धारण करना।

**काँछना** स.क्रि. (देश.) काछना, सँवारना, पहनना।

**काँछा** स्त्री. (देश.) 1. पहना, सँवारा, काछा 2. 'काँछना' क्रिया का भूतकालिक रूप।

**काँजी हाउस** पुं. (अं) 1. काइन हाउस 2. मवेशी खाना 3. वह बाड़ा जिसमें दूसरों के खेत चर जाने वाले बहके या छूटे हुए पशुओं को पकड़ कर रखा जाता है।

**काँट** पुं. (देश.) 'काँटा'।

**काँटा** पुं. (तद्.) 1. कंटक 2. कुछ विशेष प्रकार के पेड़-पौधों की शाखाओं, तनों तथा फलों पर उगता हुआ वह कड़ा नुकीला तथा लंबा अंश जो ज्यादातर सीधा और कभी-कभी टेढ़ा और मुड़ा हुआ होता है जैसे- बबूल, वेरा, नागफनी, गुलाब आदि के काँटे 2. मछली पकड़ने की कंटिया 3. लोहे की लंबी पतली कील 4. कुएँ में गिरे हुए बरतन-बाल्टी, कलश आदि को बाहर निकालने के लिए बनाया गया अंकुसों का गुच्छ या समूह 5. खाते समय गले में चुभने वाली मछली की बारीक हड्डी 6. लोहे या पीतल की तराजू की डाँड़ी में बीचो बीच लगी हुई सुई 7. सोने या चाँदी तोलने का तराजू 8. घड़ी की सुई 9. वह आला जिससे भूसा या अनाज आदि तोले जाते हैं 10. वह क्रिया जिसके हिसाब से सही-गलत होने की जाँच की जाती है 11. नाक की कील 12. झाड़ आदि टाँगने का हुक 13. एक आला जिससे यूरोपीय लोग खाना उठाकर खाते हैं मुहा. काँटा निकलना- मन की कसक या क्लेश मिटाना; राह का काँटा होना- किसी कार्य में बाधा बनना, अनिष्टकारी होना; काँटा होना- दुबला हो जाना, ठठरी भर रह जाना; काँटे की

तौल- बिल्कुल ठीक तोल (न कम न ज्यादा); राह में काँटे-बिछाना- बाधा खड़ी करना, रोड़े अटकाना; काँटे-बोना- बुराई या अनिष्ट करना; काँटों में घसीटना- अनुचित तारीफ द्वारा लज्जित करना; काँटो पर लोटना- बेचैन होना, तड़पना, ईर्ष्या से जलना; काँटो का ताज- कष्टों तथा चुनौतियों भरा काम; काँटे सा खटकना- बुरा लगना, अखरना।

**काँटी** स्त्री. (देश.) कंटिया, छोटा काँटा, रुई का फुचड़ा मुहा. काँटी उड़ाना- लंगर लड़ाना, लड़कों का एक खेल।

**काँटेदार** वि. (तद्.+फ्रा.) 1. कंटक युक्त 2. जिसमें काँटे हो 3. कष्टों से परिपूर्ण।

**काँठली** स्त्री. (देश.) 1. कंठा 2. गले का आभूषण।

**काँठा** पुं. (तद्.) 1. गले में पहने जाने वाला गहना, कंठा 2. नदी आदि का किनारा, तट (गंगा का कांठा) 3. बगल, पार्श्व 4. सहारा, आश्रय।

**काँड** पुं. (तद्.) 1. किसी वस्तु का भाग या खंड 2. वनस्पतियों के तने की दो गांठों के बीच का भाग 3. वृक्षों का तना 4. वृक्ष या वनस्पतियों की शाखाएँ 5. किसी कार्य या रचना का कोई भाग 6. किसी ग्रंथ या पुस्तक का अध्याय या प्रकरण 7. समूह 8. गुच्छा 9. सरकंडा 10. धनुष के बीच का मोटा भाग 11. बाण, तीर 12. हाथ या टाँग की लंबी हड्डी 13. घड़ी, डंडा 14. जल 15. निर्जन स्थान 16. प्रपंच 17. अवसर 18. कोई बड़ी दुर्घटना, कोई अशुभ या अप्रिय घटना जैसे हत्या या उसी तरह की अप्रिय घटना वि. बुरा, कुत्सित।

**काँड़ना** स.क्रि. (तद्.) 1. रौंदना, कुचलना 2. कूटना (धान आदि) 3. ज्यादा मारना-पीटना 4. धान को कूटकर चावल निकालना।

**काँड़ा** पुं. (तद्.) लकड़ी का लंबा लट्ठा 1. दाँत का कीड़ा 2. पेड़ पर लगने वाला एक रोग 3. लकड़ी में लगने वाला एक कीड़ा।

**काँती** स्त्री. (तद्.) कर्तरी, कड़ाही आदि बनाने में काम आने वाला साधारण लोहा।